दिल से पैदा होती है तकनीक : राज

आईआईटी का तृतीय दीक्षांत समारोह

अहमदाबाद

ahmedabad@patrika.com

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर के अध्यक्ष डॉ.बलदेव राज ने कहा कि तकनीक दिल से पैदा होती है और सफलता कठिन परिश्रम से मिलती है। हमें विश्व के श्रेष्ठ-50 संस्थानों में शामिल होने का नहीं बल्कि विश्व का नंबर एक श्रेष्ठ संस्थान बनने का सपना देखना चाहिए। इसे पूरा करना चुनौतीपूर्ण जरूर है, लेकिन कठिन नहीं।

वो शनिवार को भारतीय दीक्षांत समारोह के तृतीय दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होने कहा कि आज के समय में पूरी जिंदगी सीखते रहने जरूरी है। फिर चाहे आप किसी भी आयु के और किसी भी पद पर क्यों ना पहुंच गए हों। मुख्य अतिथि एवं लार्सन एंड टर्बो के प्रबंध निदेशक के.वेंकटरामनन ने कहा कि आप वहीं काम करो जो आपको पसंद हो। तभी आप सही मायने में समाज को कुछ दे पाएंगे। कठिन परिश्रम करो क्रिकेटर राहुल द्रविड़ की तरह।

संस्थान के निदेशक प्रो.सुधीर जैन ने कहा कि संस्थान अब पेपर लैस संस्थान बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। दीक्षांत समारोह में 123 विद्यार्थियों को बीटेक, 36 को एमटेक और दो को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। इसमें गुजरात से करीब 20 विद्यार्थी थे। पहली बार संस्थान से दो विद्यार्थी पीएचडी हुए। इनमें एक सुमिताव मुखर्जी और नीरज कुमार शामिल हैं।